

॥ श्री ॥

तिङन्तरूपावलिः

(तृतीयः भागः)

जुहोत्यादिगणः

लघुसिद्धान्तकौमुदीगत-जुहोत्यादिगणस्थधातूनां तिङन्तरूपाणि

परिष्कर्ता संपादकश्च

डॉ. नीलेश जोशी

M.A. Sanskrit, NET, SET, Ph.D. व्याकरणशास्त्री



eBook Publication Pvt. Ltd.®

प्रथमावृत्तिः एप्रिल २०१४

लघुसिद्धान्तकौमुदीगता

तिङन्तरूपावलिः

(तृतीयः भागः)

जुहोत्यादिगणः

लघुसिद्धान्तकौमुदीगत-जुहोत्यादिगणस्थधातूनां तिङन्तरूपाणि

परिष्कर्ता संपादकश्च

डॉ. नीलेश जोशी

M.A. Sanskrit, NET, SET, Ph.D. व्याकरणशास्त्री



eBook Publication Pvt. Ltd.®

प्रथमावृत्तिः एप्रिल २०१४

तिङन्तरूपावलिः, तृतीयः भागः- जुहोत्यादिगणः

लघुसिद्धान्तकौमुदीगत-जुहोत्यादिगणस्थधातूनां तिङन्तरूपाणि

परिष्कर्ता संपादकश्च : डॉ. नीलेश जोशी,

वरिष्ठ भाषाशास्त्रज्ञ, IIT मुंबई,

पवई, महाराष्ट्र ४०००७६

प्रथमावृत्तिः- रामनवमी, ८ एप्रिल २०१४

प्रकाशकः

eBook Publication Pvt. Ltd.®

4/47, उदय को. हौ. सोसायटी,

आरे रोड, गोरेगाव पश्चिम,

मुंबई, महाराष्ट्र, भारत, ४०००६२

Telephone: +91 7038164022

Email: publicationebook@gmail.com

Website: https://archive.org/details/@ebook_publication

© सर्वाधिकाराः संपादकेन सुरक्षिताः ।

eBook Terms & Conditions

1. This eBook* may be

- a. Distributed without modification or sale.**
- b. Copied for personal and educational use.**
- c. Printed for personal and educational use.**

2. This eBook* may NOT be

- a. Sold individually or as part of package.**
- b. Modified in any way.**
- c. Reversed-engineered.**

**This eBook* and all its content including images are
Copyright © 2014 Dr. Nilesh Joshi- All rights reserved.**

*eBook refers to this PDF and any of its content including pages and images in either electronic or printed form.

Contents

| | |
|-------------------------------|----|
| प्रास्ताविकम्..... | 5 |
| तिङन्तरूपाणि..... | 7 |
| दशलकाराः | 7 |
| हु दानादनयोः॥ १॥..... | 9 |
| त्रिभी भये॥ २॥..... | 12 |
| ही लज्जायाम्॥ ३॥ | 16 |
| पृ पालन पूरणयोः॥ ४॥ | 19 |
| ओहाक् त्यागे॥ ५॥ | 23 |
| माङ् माने शब्दे च॥ ६॥..... | 26 |
| ओहाङ् गतौ॥ ७॥ | 29 |
| डुभृज् धारणपोषणयोः॥ ८॥ | 32 |
| डुदाज् दाने॥ ९॥ | 39 |
| डुधाज् धारणपोषणयोः॥ १०॥ | 45 |
| णिजिर् शौचपोषणयोः॥ ११॥..... | 51 |
| सन्दर्भग्रन्थसूची..... | 57 |

प्रास्ताविकम्

श्रीमन्वरदराजः संस्कृतव्याकरणस्य महापण्डितः । सः महापण्डितस्य भट्टोजिदीक्षितस्य शिष्यः आसीत् । भट्टोजिदीक्षितस्य सिद्धान्तकौमुदीमनुसृत्य महापण्डितेन वरदराजेन त्रयो ग्रन्थाः विरचिताः ते मध्यसिद्धान्तकौमुदी, लघुसिद्धान्तकौमुदी तथा सारकौमुदी च । तेषु लघुसिद्धान्तकौमुदी पाणिनीयसंस्कृतव्याकरणस्य (नामाष्टाध्यायीग्रन्थस्य) परम्परागता प्रवेशिका खलु ।

लघुसिद्धान्तकौमुद्यां पाणिनिसूत्रक्रमत्यागपूर्वकं प्रक्रियामभिलक्ष्य नवप्रक्रियात्मकसूत्रक्रमः प्रस्तुतः येन रूपसिद्धिकारकाखिलसूत्राणां युगपद्वर्णनं भवेत् । लघुसिद्धान्तकौमुदी संक्षेपदृष्ट्यात्यन्तसंक्षिप्तव्याकरणपुस्तकमिदम् । अत्र पाणिनीयानां १२७२ सूत्राणामुदाहरणसहिता व्याख्या दृश्यते । सारांशतः लघुसिद्धान्तकौमुद्यां केवलं तानि सूत्राणि विवेचितानि यानि कानि व्यावहारिकज्ञानार्थमुपयोगीनि ।

लघुसिद्धान्तकौमुद्यां संज्ञाप्रकरणतः स्त्रीप्रत्ययप्रकरणपर्यन्तं ६० प्रकरणानि सन्ति तेषु भ्वादिप्रकरणतः चुरादिप्रकरणपर्यन्तं तिङन्तप्रक्रिया विवेचिता । तासु सूत्रप्रक्रियाविवेचनप्रसङ्गे

धातुपाठगतधातूनुद्धृत्य तेषां दशलकारस्थानि रूपाणि
समुल्लिखितानि । किन्तु सर्वत्र सर्वरूपाणि न निर्दिष्टानि अतः
अस्माकमनेन लघुकायपुस्तकरूपेण प्रयत्नो यत्तानि सर्वधातुरूपाणि
प्रस्तव्यानि ।

अनेनोद्देशेनेयं तिङन्तरूपावलिः विरचिता तस्यामयं
तृतीयभागोऽस्मिन् जुहोत्यादिगणस्थलघुसिद्धान्तकौमुदीगतानां ११
धातूनां केवलं तिङन्तरूपाणि समुल्लिखितानि । सुखदा
जुहोत्यादिगणस्थधातुरूपावबोधनार्थमियं तिङन्तरूपावलि-
र्भवेदित्याशास्त इत्यलम् ।

डॉ. नीलेश जोशी

रामनवमी,

०८ एप्रिल २०१४

तिङन्तरूपाणि

दशलकाराः

| | | |
|---|-----------|---|
| | | |
| 1 | लट् | 3 2 123 वर्तमाने लट् ¹ |
| 2 | लिट् | 3 2 115 परोक्षे लिट् ² |
| 3 | लुट् | 3 3 15 अनद्यतने लुट् ³ |
| 4 | लृट् | 3 3 13 लृट् शेषे च ⁴ |
| 5 | लोट् | 3 3 162 लोट् च ⁵ |
| 6 | लङ् | 3 2 111 अनद्यतने लङ् ⁶ |
| 7 | विधिलिङ् | 3 3 161 विधिनिमन्त्रणामन्त्रणाधीष्ट- संप्रश्नप्रार्थनेषु लिङ् ⁷ |
| 8 | आशीर्लिङ् | 3 3 173 आशिषि लिङ्लोटौ ⁸ |
| 9 | लुङ् | 3 2 110 लुङ् ⁹ |

¹ वर्तमान क्रिया वृत्तेर्धातोर्लट् स्यात्।

² भूतानद्यतन परोक्षार्थवृत्तेर् धातोर्लिट् स्यात्।

³ भविष्यत्यनद्यतनेर्ऽथे धातोर्लुट् स्यात्॥

⁴ भविष्यदर्थादधातोर्लृट् स्यात्क्रियार्थायां क्रियायामसत्यां सत्यां च ।

⁵ विध्यादर्थेषु धातोर्लोट्॥

⁶ अनद्यतनभूतार्थवृत्तेर्धातोर्लङ् स्यात् ॥

⁷ एष्वर्थेषु धातोर्लिङ्॥

⁸ अप्राप्तस्य इच्छां दर्शयितुम् लिङ्लकारः लोट्लकारः च प्रयुज्येते ।

⁹ भूतकालं द्योतयितुम् धातोः परः आद्युदात्तः लुङ्-प्रत्ययः भवति ।

| | | |
|----|------|---|
| 10 | लृङ् | 3 3 139 लिङ्निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ ¹⁰ |
|----|------|---|

¹⁰ भविष्यति अर्थे, लिङ्लकारस्य यत् निमित्तम् तस्मिन्नेव निमित्ते, क्रियातिपत्तिं दर्शयितुम् धातोः लृङ्लकारः भवति ।

हु दानादनयोः॥ १॥¹¹

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|--------|---------|---------|
| जुहोति | जुहुतः | जुह्वति | प्र.पु. |
| जुहोषि | जुहुथः | जुहुथ | म.पु. |
| जुहोमि | जुहुवः | जुहुमः | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--|---|--|---------|
| जुहवामास , जुहवाञ्चकार , जुहवाम्बभूव | जुहवामासतुः , जुहवाञ्चक्रतुः , जुहवाम्बभूवतुः | जुहवामासुः , जुहवाञ्चक्रुः , जुहवाम्बभूवुः | प्र.पु. |
| जुहवामासिथ , जुहवाञ्चकर्थ , जुहवाम्बभूविथ | जुहवामासथुः , जुहवाञ्चक्रथुः , जुहवाम्बभूवथुः | जुहवामास , जुहवाञ्चक्र , जुहवाम्बभूव | म.पु. |
| जुहवामास , जुहवाञ्चकर , जुहवाञ्चकार , जुहवाम्बभूव | जुहवामासिव , जुहवाञ्चकृव , जुहवाम्बभूविव | जुहवामासिम , जुहवाञ्चकृम , जुहवाम्बभूविम | उ.पु. |

¹¹ [03.0001] हु दानादनयोः, जुहोत्यादिः परस्मैपदी सकर्मकः अनिट्

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| होता | होतारौ | होतारः | प्र.पु. |
| होतासि | होतास्थः | होतास्थ | म.पु. |
| होतास्मि | होतास्वः | होतास्मः | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| होष्यति | होष्यतः | होष्यन्ति | प्र.पु. |
| होष्यसि | होष्यथः | होष्यथ | म.पु. |
| होष्यामि | होष्यावः | होष्यामः | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|---------|---------|
| जुहोतु , जुहुतात् | जुहुताम् | जुह्वतु | प्र.पु. |
| जुहुधि , जुहुतात् | जुहुतम् | जुहुत | म.पु. |
| जुह्वानि | जुह्वाव | जुह्वाम | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-----------|----------|---------|
| अजुहोत् | अजुहुताम् | अजुह्वुः | प्र.पु. |
| अजुहोः | अजुहुतम् | अजुहुत | म.पु. |
| अजुहवम् | अजुहुव | अजुहुम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|---------|---------|
| जुहुयात् | जुहुयाताम् | जुहुयुः | प्र.पु. |
| जुहुयाः | जुहुयातम् | जुहुयात | म.पु. |
| जुहुयाम् | जुहुयाव | जुहुयाम | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| हूयात् | हूयास्ताम् | हूयासुः | प्र.पु. |
| हूयाः | हूयास्तम् | हूयास्त | म.पु. |
| हूयासम् | हूयास्व | हूयास्म | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|--------|---------|
| अहौषीत् | अहौष्टाम् | अहौषुः | प्र.पु. |
| अहौषीः | अहौष्टम् | अहौष्ट | म.पु. |
| अहौषम् | अहौष्व | अहौष्म | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अहोष्यत् | अहोष्यताम् | अहोष्यन् | प्र.पु. |
| अहोष्यः | अहोष्यतम् | अहोष्यत | म.पु. |
| अहोष्यम् | अहोष्याव | अहोष्याम | उ.पु. |

त्रिभी भये॥ २॥¹²

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-----------------|-----------------|---------|
| बिभेति | बिभितः , बिभीतः | बिभ्यति | प्र.पु. |
| बिभेति | बिभिथः , बिभीथः | बिभिथ , बिभीथ | म.पु. |
| बिभेमि | बिभिवः , बिभीवः | बिभिमः , बिभीमः | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--|---|--|---------|
| बिभयामास , बिभयाञ्चकार , बिभयाम्बभूव | बिभयामासतुः , बिभयाञ्चक्रतुः , बिभयाम्बभूवतुः | बिभयामासुः , बिभयाञ्चक्रुः , बिभयाम्बभूवुः | प्र.पु. |
| बिभयामासिथ , बिभयाञ्चकर्थ , बिभयाम्बभूविथ | बिभयामासथुः , बिभयाञ्चक्रथुः , बिभयाम्बभूवथुः | बिभयामास , बिभयाञ्चक्र , बिभयाम्बभूव | म.पु. |
| बिभयामास , बिभयाञ्चकर , बिभयाञ्चकार , बिभयाम्बभूव | बिभयामासिव , बिभयाञ्चकृव , बिभयाम्बभूविव | बिभयामासिम , बिभयाञ्चकृम , बिभयाम्बभूविम | उ.पु. |

¹² [03.0002] त्रिभी भये, जुहोत्यादिः परस्मैपदी अकर्मकः अनिट्

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| भेता | भेतारौ | भेतारः | प्र.पु. |
| भेतासि | भेतास्थः | भेतास्थ | म.पु. |
| भेतास्मि | भेतास्वः | भेतास्मः | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| भेष्यति | भेष्यतः | भेष्यन्ति | प्र.पु. |
| भेष्यसि | भेष्यथः | भेष्यथ | म.पु. |
| भेष्यामि | भेष्यावः | भेष्यामः | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|---|------------------------|------------------|---------|
| बिभेतु , बिभितात् , बिभीतात् | बिभिताम् , बिभीताम् | बिभ्यतु | प्र.पु. |
| बिभिहि , बिभीहि , बिभितात् , बिभीतात् | बिभितम् , बिभीतम् | बिभित , बिभीत | म.पु. |
| बिभयानि | बिभयाव | बिभयाम | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|--------------------------|--------------------|---------|
| अबिभेत् | अबिभिताम् , अबिभीताम् | अबिभयुः | प्र.पु. |
| अबिभेः | अबिभितम् , अबिभीतम् | अबिभित , अबिभीत | म.पु. |
| अबिभयम् | अबिभिव , अबिभीव | अबिभिम , अबिभीम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|----------------------------|----------------------|---------|
| बिभियात् , बिभीयात् | बिभियाताम् , बिभीयाताम् | बिभियुः , बिभीयुः | प्र.पु. |
| बिभियाः , बिभीयाः | बिभियातम् , बिभीयातम् | बिभियात , बिभीयात | म.पु. |
| बिभीयाम् | बिभियाव , बिभीयाव | बिभियाम , बिभीयाम | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| भीयात् | भीयास्ताम् | भीयासुः | प्र.पु. |
| भीयाः | भीयास्तम् | भीयास्त | म.पु. |
| भीयासम् | भीयास्व | भीयास्म | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|--------|---------|
| अभैषीत् | अभैष्टाम् | अभैषुः | प्र.पु. |
| अभैषीः | अभैष्टम् | अभैष्ट | म.पु. |
| अभैषम् | अभैष्व | अभैष्म | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अभेष्यत् | अभेष्यताम् | अभेष्यन् | प्र.पु. |
| अभेष्यः | अभेष्यतम् | अभेष्यत | म.पु. |
| अभेष्यम् | अभेष्याव | अभेष्याम | उ.पु. |

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|--------|---------|---------|
| जिहेति | जिहीतः | जिहियति | प्र.पु. |
| जिहेषि | जिहीथः | जिहीथ | म.पु. |
| जिहेमि | जिहीवः | जिहीमः | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--|---|--|---------|
| जिहयाञ्चकार , जिहयाम्बभूव , जिहयामास | जिहयाञ्चक्रतुः , जिहयाम्बभूवतुः , जिहयामासतुः | जिहयाञ्चक्रुः , जिहयाम्बभूवुः , जिहयामासुः | प्र.पु. |
| जिहयाञ्चकर्थ , जिहयाम्बभूविथ , जिहयामासिथ | जिहयाञ्चक्रथुः , जिहयाम्बभूवथुः , जिहयामासथुः | जिहयाञ्चक्र , जिहयाम्बभूव , जिहयामास | म.पु. |
| जिहयाञ्चकर , जिहयाम्बभूव , जिहयामास , जिहयाञ्चकार | जिहयाञ्चकृव , जिहयाम्बभूविव , जिहयामासिव | जिहयाञ्चकृम , जिहयाम्बभूविम , जिहयामासिम | उ.पु. |

¹³ [03.0003] ह्री लज्जायाम्, जुहोत्यादिः परस्मैपदी अकर्मकः अनिट्

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| हेता | हेतारौ | हेतारः | प्र.पु. |
| हेतासि | हेतास्थः | हेतास्थ | म.पु. |
| हेतास्मि | हेतास्वः | हेतास्मः | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| हेष्यति | हेष्यतः | हेष्यन्ति | प्र.पु. |
| हेष्यसि | हेष्यथः | हेष्यथ | म.पु. |
| हेष्यामि | हेष्यावः | हेष्यामः | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|---------|---------|
| जिहेतु , जिहीतात् | जिहीताम् | जिहियतु | प्र.पु. |
| जिहीहि , जिहीतात् | जिहीतम् | जिहीत | म.पु. |
| जिह्याणि | जिह्याव | जिह्याम | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-----------|----------|---------|
| अजिहेत् | अजिहीताम् | अजिह्युः | प्र.पु. |
| अजिहेः | अजिहीतम् | अजिहीत | म.पु. |
| अजिह्यम् | अजिहीव | अजिहीम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|---------|---------|
| जिहीयात् | जिहीयाताम् | जिहीयुः | प्र.पु. |
| जिहीयाः | जिहीयातम् | जिहीयात | म.पु. |
| जिहीयाम् | जिहीयाव | जिहीयाम | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| हीयात् | हीयास्ताम् | हीयासुः | प्र.पु. |
| हीयाः | हीयास्तम् | हीयास्त | म.पु. |
| हीयासम् | हीयास्व | हीयास्म | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|--------|---------|
| अहैषीत् | अहैष्टाम् | अहैषुः | प्र.पु. |
| अहैषीः | अहैष्टम् | अहैष्ट | म.पु. |
| अहैषम् | अहैष्व | अहैष्म | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अहेष्यत् | अहेष्यताम् | अहेष्यन् | प्र.पु. |
| अहेष्यः | अहेष्यतम् | अहेष्यत | म.पु. |
| अहेष्यम् | अहेष्याव | अहेष्याम | उ.पु. |

पृ पालन पूरणयोः॥ ४॥¹⁴

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|----------|----------|---------|
| पिपर्ति | पिपूर्तः | पिपुरति | प्र.पु. |
| पिपर्षि | पिपूर्थः | पिपूर्थ | म.पु. |
| पिपर्मि | पिपूर्वः | पिपूर्मः | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------------|----------------|---------|
| पपार | पप्रतुः , पपरतुः | पप्रुः , पपरुः | प्र.पु. |
| पपरिथ | पपरथुः , पप्रथुः | पपर , पप्र | म.पु. |
| पपर , पपार | पप्रिव , पपरिव | पपरिम , पप्रिम | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--------------------------|--------------------------|--------------------------|---------|
| परीता , परिता | परीतारौ , परितारौ | परीतारः , परितारः | प्र.पु. |
| परीतासि , परितासि | परीतास्थः , परितास्थः | परीतास्थ , परितास्थ | म.पु. |
| परीतास्मि , परितास्मि | परीतास्वः , परितास्वः | परीतास्मः , परितास्मः | उ.पु. |

¹⁴ [03.0004] पृ पालनपूरणयोः, जुहोत्यादिः परस्मैपदी सकर्मकः सेट्

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--------------------------|--------------------------|----------------------------|---------|
| परिष्यति , परीष्यति | परिष्यतः , परीष्यतः | परिष्यन्ति , परीष्यन्ति | प्र.पु. |
| परिष्यसि , परीष्यसि | परिष्यथः , परीष्यथः | परिष्यथ , परीष्यथ | म.पु. |
| परिष्यामि , परीष्यामि | परिष्यावः , परीष्यावः | परिष्यामः , परीष्यामः | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|---------|---------|
| पिपर्तु , पिपूर्तात् | पिपूर्ताम् | पिपुरतु | प्र.पु. |
| पिपूर्हि , पिपूर्तात् | पिपूर्तम् | पिपूर्त | म.पु. |
| पिपराणि | पिपराव | पिपराम | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-------------|----------|---------|
| अपिपः | अपिपूर्ताम् | अपिपरुः | प्र.पु. |
| अपिपः | अपिपूर्तम् | अपिपूर्त | म.पु. |
| अपिपरम् | अपिपूर्व | अपिपूर्म | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|--------------|-----------|---------|
| पिपूर्यात् | पिपूर्याताम् | पिपूर्युः | प्र.पु. |
| पिपूर्याः | पिपूर्यातम् | पिपूर्यात | म.पु. |
| पिपूर्याम् | पिपूर्याव | पिपूर्याम | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| पूर्यात् | पूर्यास्ताम् | पूर्यासुः | प्र.पु. |
| पूर्याः | पूर्यास्तम् | पूर्यास्त | म.पु. |
| पूर्यासम् | पूर्यास्व | पूर्यास्म | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|----------|---------|
| अपारीत् | अपारिष्टाम् | अपारिषुः | प्र.पु. |
| अपारीः | अपारिष्टम् | अपारिष्ट | म.पु. |
| अपारिषम् | अपारिष्व | अपारिष्म | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|--------------------------|------------------------------|--------------------------|---------|
| अपरिष्यत् , अपरीष्यत् | अपरिष्यताम् , अपरीष्यताम् | अपरिष्यन् , अपरीष्यन् | प्र.पु. |
| अपरिष्यः , अपरीष्यः | अपरिष्यतम् , अपरीष्यतम् | अपरिष्यत , अपरीष्यत | म.पु. |
| अपरिष्यम् , अपरीष्यम् | अपरिष्याव , अपरीष्याव | अपरिष्याम , अपरीष्याम | उ.पु. |

ओहाक् त्यागे॥ ५॥¹⁵

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|---------------|---------------|---------|
| जहाति | जहितः , जहीतः | जहति | प्र.पु. |
| जहासि | जहीथः , जहिथः | जहिथ , जहीथ | म.पु. |
| जहामि | जहिवः , जहीवः | जहीमः , जहिमः | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------|------|---------|
| जहौ | जहतुः | जहुः | प्र.पु. |
| जहिथ , जहाथ | जहथुः | जह | म.पु. |
| जहौ | जहिव | जहिम | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| हाता | हातारौ | हातारः | प्र.पु. |
| हातासि | हातास्थः | हातास्थ | म.पु. |
| हातास्मि | हातास्वः | हातास्मः | उ.पु. |

¹⁵ [03.0009] ओहाक् त्यागे, जुहोत्यादिः परस्मैपदी सकर्मकः अनिट्

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| हास्यति | हास्यतः | हास्यन्ति | प्र.पु. |
| हास्यसि | हास्यथः | हास्यथ | म.पु. |
| हास्यामि | हास्यावः | हास्यामः | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--|----------------------|----------------|---------|
| जहीतात् , जहातु , जहितात् | जहिताम् , जहीताम् | जहतु | प्र.पु. |
| जहिहि , जहाहि , जहीहि , जहीतात् , जहितात् | जहीतम् , जहितम् | जहित , जहीत | म.पु. |
| जहानि | जहाव | जहाम | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|---------------------|---------------|---------|
| अजहात् | अजहीताम् , अजहिताम् | अजहुः | प्र.पु. |
| अजहाः | अजहितम् , अजहीतम् | अजहीत , अजहित | म.पु. |
| अजहाम् | अजहिव , अजहीव | अजहीम , अजहिम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|-----------|--------|---------|
| जह्यात् | जह्याताम् | जह्युः | प्र.पु. |
| जह्याः | जह्यातम् | जह्यात | म.पु. |
| जह्याम् | जह्याव | जह्याम | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| हेयात् | हेयास्ताम् | हेयासुः | प्र.पु. |
| हेयाः | हेयास्तम् | हेयास्त | म.पु. |
| हेयासम् | हेयास्व | हेयास्म | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|----------|---------|
| अहासीत् | अहासिष्टाम् | अहासिषुः | प्र.पु. |
| अहासीः | अहासिष्टम् | अहासिष्ट | म.पु. |
| अहासिषम् | अहासिष्व | अहासिष्म | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अहास्यत् | अहास्यताम् | अहास्यन् | प्र.पु. |
| अहास्यः | अहास्यतम् | अहास्यत | म.पु. |
| अहास्यम् | अहास्याव | अहास्याम | उ.पु. |

माङ् माने शब्दे च॥ ६॥¹⁶

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|---------|----------|---------|
| मिमीते | मिमाते | मिमते | प्र.पु. |
| मिमीषे | मिमाथे | मिमीध्वे | म.पु. |
| मिमे | मिमीवहे | मिमीमहे | उ.पु. |

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|--------|---------|---------|
| ममे | ममाते | ममिरे | प्र.पु. |
| ममिषे | ममाथे | ममिध्वे | म.पु. |
| ममे | ममिवहे | ममिमहे | उ.पु. |

| लुट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| माता | मातारौ | मातारः | प्र.पु. |
| मातासे | मातासाथे | माताध्वे | म.पु. |
| माताहे | मातास्वहे | मातास्महे | उ.पु. |

¹⁶ [03.0007] माङ् माने शब्दे च, जुहोत्यादिः आत्मनेपदी सकर्मकः अनिट् भृजादिः

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| मास्यते | मास्येते | मास्यन्ते | प्र.पु. |
| मास्यसे | मास्येथे | मास्यध्वे | म.पु. |
| मास्ये | मास्यावहे | मास्यामहे | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| मिमिताम् | मिमाताम् | मिमताम् | प्र.पु. |
| मिमिष्व | मिमाथाम् | मिमिध्वम् | म.पु. |
| मिमै | मिमावहै | मिमामहै | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|-----------|------------|---------|
| अमिमीत | अमिमाताम् | अमिमत् | प्र.पु. |
| अमिमीथाः | अमिमाथाम् | अमिमीध्वम् | म.पु. |
| अमिमि | अमिमीवहि | अमिमीमहि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|-----------|---------|
| मिमीत | मिमीयाताम् | मिमीरन् | प्र.पु. |
| मिमीथाः | मिमीयाथाम् | मिमीध्वम् | म.पु. |
| मिमीय | मिमीवहि | मिमीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| मासीष्ट | मासीयास्ताम् | मासीरन् | प्र.पु. |
| मासीष्ठाः | मासीयास्थाम् | मासीध्वम् | म.पु. |
| मासीय | मासीवहि | मासीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|----------|---------|
| अमास्त | अमासाताम् | अमासत | प्र.पु. |
| अमास्थाः | अमासाथाम् | अमाध्वम् | म.पु. |
| अमासि | अमास्वहि | अमास्महि | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-------------|---------|
| अमास्यत | अमास्येताम् | अमास्यन्त | प्र.पु. |
| अमास्यथाः | अमास्येथाम् | अमास्यध्वम् | म.पु. |
| अमास्ये | अमास्यावहि | अमास्यामहि | उ.पु. |

ओहाङ् गतौ॥ ७॥¹⁷

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|---------|----------|---------|
| जिहीते | जिहाते | जिहते | प्र.पु. |
| जिहीषे | जिहाथे | जिहीध्वे | म.पु. |
| जिहे | जिहीवहे | जिहीमहे | उ.पु. |

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|--------|-------------------|---------|
| जहे | जहाते | जहिरे | प्र.पु. |
| जहिषे | जहाथे | जहिध्वे , जहिद्वे | म.पु. |
| जहे | जहिवहे | जहिमहे | उ.पु. |

| लुट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| हाता | हातारौ | हातारः | प्र.पु. |
| हातासे | हातासाथे | हाताध्वे | म.पु. |
| हाताहे | हातास्वहे | हातास्महे | उ.पु. |

¹⁷ [03.0008] ओहाङ् गतौ, जुहोत्यादिः आत्मनेपदी सकर्मकः अनिट् भृजादिः

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| हास्यते | हास्येते | हास्यन्ते | प्र.पु. |
| हास्यसे | हास्येथे | हास्यध्वे | म.पु. |
| हास्ये | हास्यावहे | हास्यामहे | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| जिहीताम् | जिहाताम् | जिहताम् | प्र.पु. |
| जिहीष्व | जिहाथाम् | जिहीध्वम् | म.पु. |
| जिहै | जिहावहै | जिहामहै | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|-----------|------------|---------|
| अजिहीत | अजिहाताम् | अजिहत | प्र.पु. |
| अजिहीथाः | अजिहाथाम् | अजिहीध्वम् | म.पु. |
| अजिहि | अजिहीवहि | अजिहीमहि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|-----------|---------|
| जिहीत | जिहीयाताम् | जिहीरन् | प्र.पु. |
| जिहीथाः | जिहीयाथाम् | जिहीध्वम् | म.पु. |
| जिहीय | जिहीवहि | जिहीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| हासीष्ट | हासीयास्ताम् | हासीरन् | प्र.पु. |
| हासीष्ठाः | हासीयास्थाम् | हासीध्वम् | म.पु. |
| हासीय | हासीवहि | हासीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|----------|---------|
| अहास्त | अहासाताम् | अहासत | प्र.पु. |
| अहास्थाः | अहासाथाम् | अहाध्वम् | म.पु. |
| अहासि | अहास्वहि | अहास्महि | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-------------|---------|
| अहास्यत | अहास्येताम् | अहास्यन्त | प्र.पु. |
| अहास्यथाः | अहास्येथाम् | अहास्यध्वम् | म.पु. |
| अहास्ये | अहास्यावहि | अहास्यामहि | उ.पु. |

डुभृज् धारणपोषणयोः॥ ८॥¹⁸

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|----------|---------|---------|
| बिभर्ति | बिभृतः | बिभ्रति | प्र.पु. |
| बिभर्षि | बिभृत्यः | बिभृत्य | म.पु. |
| बिभर्मि | बिभृवः | बिभृमः | उ.पु. |

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|----------|----------|---------|
| बिभृते | बिभ्राते | बिभ्रते | प्र.पु. |
| बिभृषे | बिभ्राथे | बिभृध्वे | म.पु. |
| बिभ्रे | बिभृवहे | बिभृमहे | उ.पु. |

¹⁸ [03.0006] डुभृज् धारणपोषणयोः, जुहोत्यादिः उभयपदी सकर्मकः अनिट् भृजादिः

लिट् (परस्मैपदम्)

| | | | |
|--|---|--|----------------|
| बिभराञ्चकार , बिभराम्बभूव , बिभरामास | बिभराञ्चक्रतुः , बिभराम्बभूवतुः , बिभरामासतुः | बिभराञ्चक्रुः , बिभराम्बभूवुः , बिभरामासुः | प्र.पु. |
| बिभराञ्चकर्त्तुः , बिभराम्बभूवित्थ , बिभरामासित्थ | बिभराञ्चक्रथुः , बिभराम्बभूवथुः , बिभरामासथुः | बिभराञ्चक्र , बिभराम्बभूव , बिभरामास | म.पु. |
| बिभराञ्चकार , बिभराम्बभूव , बिभरामास , बिभराञ्चकर | बिभराञ्चकृव , बिभराम्बभूविव , बिभरामासिव | बिभराञ्चकृम , बिभराम्बभूविम , बिभरामासिम | उ.पु. |

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|---|---|---|---------|
| बिभराञ्चक्रे , बिभराम्बभूव , बिभरामास | बिभराञ्चक्राते , बिभराम्बभूवतुः , बिभरामासतुः | बिभराञ्चक्रिरे , बिभराम्बभूवुः , बिभरामासुः | प्र.पु. |
| बिभराञ्चकृषे , बिभराम्बभूविथ , बिभरामासिथ | बिभराञ्चक्राथे , बिभराम्बभूवथुः , बिभरामासथुः | बिभराञ्चकृद्वे , बिभराम्बभूव , बिभरामास | म.पु. |
| बिभराञ्चक्रे , बिभराम्बभूव , बिभरामास | बिभराञ्चकृवहे, बिभराम्बभूविव , बिभरामासिव | बिभराञ्चकृमहे , बिभराम्बभूविम , बिभरामासिम | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| भर्ता | भर्तारौ | भर्तारः | प्र.पु. |
| भर्तासि | भर्तास्थः | भर्तास्थ | म.पु. |
| भर्तास्मि | भर्तास्वः | भर्तास्मः | उ.पु. |

| लुट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|------------|------------|---------|
| भर्ता | भर्तारौ | भर्तारः | प्र.पु. |
| भर्तासे | भर्तासाथे | भर्ताध्वे | म.पु. |
| भर्ताहे | भर्तास्वहे | भर्तास्महे | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|------------|---------|
| भरिष्यति | भरिष्यतः | भरिष्यन्ति | प्र.पु. |
| भरिष्यसि | भरिष्यथः | भरिष्यथ | म.पु. |
| भरिष्यामि | भरिष्यावः | भरिष्यामः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|------------|------------|---------|
| भरिष्यते | भरिष्येते | भरिष्यन्ते | प्र.पु. |
| भरिष्यसे | भरिष्येथे | भरिष्यध्वे | म.पु. |
| भरिष्ये | भरिष्यावहे | भरिष्यामहे | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|--------------------|----------|---------|---------|
| बिभर्तु , बिभृतात् | बिभृताम् | बिभ्रतु | प्र.पु. |
| बिभृहि , बिभृतात् | बिभृतम् | बिभृत | म.पु. |
| बिभराणि | बिभराव | बिभराम | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|------------|-----------|---------|
| बिभृताम् | बिभ्राताम् | बिभ्रताम् | प्र.पु. |
| बिभृष्व | बिभ्राथाम् | बिभृध्वम् | म.पु. |
| बिभरै | बिभरावहै | बिभरामहै | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-----------|---------|---------|
| अबिभः | अबिभृताम् | अबिभरुः | प्र.पु. |
| अबिभिः | अबिभृतम् | अबिभृत | म.पु. |
| अबिभरम् | अबिभृव | अबिभृम | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|-------------|------------|---------|
| अबिभृत | अबिभ्राताम् | अबिभ्रत | प्र.पु. |
| अबिभृथाः | अबिभ्राथाम् | अबिभृध्वम् | म.पु. |
| अबिभि | अबिभृवहि | अबिभृमहि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|---------|---------|
| बिभृयात् | बिभृयाताम् | बिभृयुः | प्र.पु. |
| बिभृयाः | बिभृयातम् | बिभृयात | म.पु. |
| बिभृयाम् | बिभृयाव | बिभृयाम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|--------------|-------------|---------|
| बिभ्रीत | बिभ्रीयाताम् | बिभ्रीरन् | प्र.पु. |
| बिभ्रीथाः | बिभ्रीयाथाम् | बिभ्रीध्वम् | म.पु. |
| बिभ्रीय | बिभ्रीवहि | बिभ्रीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| भ्रियात् | भ्रियास्ताम् | भ्रियासुः | प्र.पु. |
| भ्रियाः | भ्रियास्तम् | भ्रियास्त | म.पु. |
| भ्रियासम् | भ्रियास्व | भ्रियास्म | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| भृषीष्ट | भृषीयास्ताम् | भृषीरन् | प्र.पु. |
| भृषीष्ठाः | भृषीयास्थाम् | भृषीद्वम् | म.पु. |
| भृषीय | भृषीवहि | भृषीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|----------|---------|
| अभार्षीत् | अभार्ष्टाम् | अभार्षुः | प्र.पु. |
| अभार्षीः | अभार्ष्टम् | अभार्ष्ट | म.पु. |
| अभार्षम् | अभार्ष्व | अभार्ष्म | उ.पु. |

| लुङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|----------|---------|
| अभृत | अभृषाताम् | अभृषत | प्र.पु. |
| अभृथाः | अभृषाथाम् | अभृद्वम् | म.पु. |
| अभृषि | अभृष्वहि | अभृष्महि | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-----------|---------|
| अभरिष्यत् | अभरिष्यताम् | अभरिष्यन् | प्र.पु. |
| अभरिष्यः | अभरिष्यतम् | अभरिष्यत | म.पु. |
| अभरिष्यम् | अभरिष्याव | अभरिष्याम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|--------------|--------------|---------|
| अभरिष्यत | अभरिष्येताम् | अभरिष्यन्त | प्र.पु. |
| अभरिष्यथाः | अभरिष्येथाम् | अभरिष्यध्वम् | म.पु. |
| अभरिष्ये | अभरिष्यावहि | अभरिष्यामहि | उ.पु. |

डुदाञ् दाने॥ ९॥¹⁹

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-------|-------|---------|
| ददाति | दत्तः | ददति | प्र.पु. |
| ददासि | दत्थः | दत्थ | म.पु. |
| ददामि | दद्वः | दद्वः | उ.पु. |

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|--------|--------|---------|
| दत्ते | ददाते | ददते | प्र.पु. |
| दत्से | ददाथे | दद्वे | म.पु. |
| ददे | दद्वहे | दद्वहे | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------|------|---------|
| ददौ | ददतुः | ददुः | प्र.पु. |
| ददिथ , ददाथ | ददथुः | दद | म.पु. |
| ददौ | ददिव | ददिम | उ.पु. |

¹⁹ [03.0010] डुदाञ् दाने, जुहोत्यादिः उभयपदी सकर्मकः अनिट्

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|--------|---------|---------|
| ददे | ददाते | ददिरे | प्र.पु. |
| ददिषे | ददाथे | ददिध्वे | म.पु. |
| ददे | ददिवहे | ददिमहे | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| दाता | दातारौ | दातारः | प्र.पु. |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ | म.पु. |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| दाता | दातारौ | दातारः | प्र.पु. |
| दातासे | दातासाथे | दाताध्वे | म.पु. |
| दाताहे | दातास्वहे | दातास्महे | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| दास्यति | दास्यतः | दास्यन्ति | प्र.पु. |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ | म.पु. |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| दास्यते | दास्येते | दास्यन्ते | प्र.पु. |
| दास्यसे | दास्येथे | दास्यध्वे | म.पु. |
| दास्ये | दास्यावहे | दास्यामहे | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|---------|------|---------|
| दत्तात् , ददातु | दत्ताम् | ददतु | प्र.पु. |
| देहि , दत्तात् | दत्तम् | दत्त | म.पु. |
| ददानि | ददाव | ददाम | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|---------|----------|---------|
| दत्ताम् | ददाताम् | ददताम् | प्र.पु. |
| दत्स्व | ददाथाम् | दद्ध्वम् | म.पु. |
| ददै | ददावहै | ददामहै | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|----------|-------|---------|
| अददात् | अदत्ताम् | अददुः | प्र.पु. |
| अददाः | अदत्तम् | अदत्त | म.पु. |
| अददाम् | अदद्व | अददम् | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|----------|-----------|---------|
| अदत्त | अददाताम् | अददत | प्र.पु. |
| अदत्थाः | अददाथाम् | अदद्ध्वम् | म.पु. |
| अददि | अदद्वहि | अददमहि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|-----------|--------|---------|
| दद्यात् | दद्याताम् | दद्युः | प्र.पु. |
| दद्याः | दद्यातम् | दद्यात | म.पु. |
| दद्याम् | दद्याव | दद्याम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|-----------|----------|---------|
| ददीत | ददीयाताम् | ददीरन् | प्र.पु. |
| ददीथाः | ददीयाथाम् | ददीध्वम् | म.पु. |
| ददीय | ददीवहि | ददीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| देयात् | देयास्ताम् | देयासुः | प्र.पु. |
| देयाः | देयास्तम् | देयास्त | म.पु. |
| देयासम् | देयास्व | देयास्म | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| दासीष्ट | दासीयास्ताम् | दासीरन् | प्र.पु. |
| दासीष्ठाः | दासीयास्थाम् | दासीध्वम् | म.पु. |
| दासीय | दासीवहि | दासीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|---------|------|---------|
| अदात् | अदाताम् | अदुः | प्र.पु. |
| अदाः | अदातम् | अदात | म.पु. |
| अदाम् | अदाव | अदाम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|----------|---------|
| अदित | अदिषाताम् | अदिषत | प्र.पु. |
| अदिथाः | अदिषाथाम् | अदिद्वम् | म.पु. |
| अदिषि | अदिष्वहि | अदिष्महि | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अदास्यत् | अदास्यताम् | अदास्यन् | प्र.पु. |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत | म.पु. |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-------------|---------|
| अदास्यत | अदास्येताम् | अदास्यन्त | प्र.पु. |
| अदास्यथाः | अदास्येथाम् | अदास्यध्वम् | म.पु. |
| अदास्ये | अदास्यावहि | अदास्यामहि | उ.पु. |

डुधाञ् धारणपोषणयोः॥ १०॥²⁰

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-------|-------|---------|
| दधाति | धत्तः | दधति | प्र.पु. |
| दधासि | धत्थः | दत्थ | म.पु. |
| दधामि | दध्वः | दध्मः | उ.पु. |

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|--------|---------|---------|
| धत्ते | दधाते | दधते | प्र.पु. |
| धत्से | दधाथे | धद्ध्वे | म.पु. |
| दधे | दध्वहे | दध्महे | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------|------|---------|
| दधौ | दधतुः | दधुः | प्र.पु. |
| दधाथ , दधिथ | दधथुः | दध | म.पु. |
| दधौ | दधिव | दधिम | उ.पु. |

²⁰ [03.0011] डुधाञ् धारणपोषणयोः, जुहोत्यादिः उभयपदी सकर्मकः अनिट् भिदादिः

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|--------|---------|---------|
| दधे | दधाते | दधिरे | प्र.पु. |
| दधिषे | दधाथे | दधिध्वे | म.पु. |
| दधे | दधिवहे | दधिमहे | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|----------|---------|
| धाता | धातारौ | धातारः | प्र.पु. |
| धातासि | धातास्थः | धातास्थ | म.पु. |
| धातास्मि | धातास्वः | धातास्मः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| धाता | धातारौ | धातारः | प्र.पु. |
| धातासे | धातासाथे | धाताध्वे | म.पु. |
| धाताहे | धातास्वहे | धातास्महे | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|-----------|---------|
| धास्यति | धास्यतः | धास्यन्ति | प्र.पु. |
| धास्यसि | धास्यथः | धास्यथ | म.पु. |
| धास्यामि | धास्यावः | धास्यामः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|-----------|---------|
| धास्यते | धास्येते | धास्यन्ते | प्र.पु. |
| धास्यसे | धास्येथे | धास्यध्वे | म.पु. |
| धास्ये | धास्यावहे | धास्यामहे | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|---------|------|---------|
| दधातु , धत्तात् | धत्ताम् | दधतु | प्र.पु. |
| धेहि , धत्तात् | धत्तम् | धत्त | म.पु. |
| दधानि | दधाव | दधाम | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|---------|---------|---------|
| धत्ताम् | दधाताम् | दधताम् | प्र.पु. |
| धत्स्व | दधाथाम् | धदध्वम् | म.पु. |
| दधै | दधावहै | दधामहै | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|----------|-------|---------|
| अदधात् | अधत्ताम् | अदधुः | प्र.पु. |
| अदधाः | अधत्तम् | अधत्त | म.पु. |
| अदधाम् | अदध्व | अदध्म | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|----------|----------|---------|
| अधत्त | अदधाताम् | अदधत् | प्र.पु. |
| अधत्थाः | अदधाथाम् | अधदध्वम् | म.पु. |
| अदधि | अदध्वहि | अदध्महि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|-----------|--------|---------|
| दध्यात् | दध्याताम् | दध्युः | प्र.पु. |
| दध्याः | दध्यातम् | दध्यात | म.पु. |
| दध्याम् | दध्याव | दध्याम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|-----------|----------|---------|
| दधीत | दधीयाताम् | दधीरन् | प्र.पु. |
| दधीथाः | दधीयाथाम् | दधीध्वम् | म.पु. |
| दधीय | दधीवहि | दधीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|------------|---------|---------|
| धेयात् | धेयास्ताम् | धेयासुः | प्र.पु. |
| धेयाः | धेयास्तम् | धेयास्त | म.पु. |
| धेयासम् | धेयास्व | धेयास्म | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| धासीष्ट | धासीयास्ताम् | धासीरन् | प्र.पु. |
| धासीष्ठाः | धासीयास्थाम् | धासीध्वम् | म.पु. |
| धासीय | धासीवहि | धासीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|---------|------|---------|
| अधात् | अधाताम् | अधुः | प्र.पु. |
| अधाः | अधातम् | अधात | म.पु. |
| अधाम् | अधाव | अधाम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|----------|---------|
| अधित | अधिषाताम् | अधिषत | प्र.पु. |
| अधिथाः | अधिषाथाम् | अधिद्वम् | म.पु. |
| अधिषि | अधिष्वहि | अधिष्महि | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|----------|---------|
| अधास्यत् | अधास्यताम् | अधास्यन् | प्र.पु. |
| अधास्यः | अधास्यतम् | अधास्यत | म.पु. |
| अधास्यम् | अधास्याव | अधास्याम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-------------|---------|
| अधास्यत | अधास्येताम् | अधास्यन्त | प्र.पु. |
| अधास्यथाः | अधास्येथाम् | अधास्यध्वम् | म.पु. |
| अधास्ये | अधास्यावहि | अधास्यामहि | उ.पु. |

णिजिर् शौचपोषणयोः॥ ११॥²¹

| लट् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------|-----------|----------|---------|
| नेनेक्ति | नेनेक्तिः | नेनेजति | प्र.पु. |
| नेनेक्षि | नेनेक्थः | नेनेक्थ | म.पु. |
| नेनेज्मि | नेनेज्वः | नेनेज्मः | उ.पु. |

| लट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|-----------|-----------|---------|
| नेनेक्ते | नेनेजाते | नेनेजते | प्र.पु. |
| नेनेक्षे | नेनेजाथे | नेनेगध्वे | म.पु. |
| नेनेजे | नेनेज्वहे | नेनेज्महे | उ.पु. |

| लिट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|----------|---------|---------|
| निनेज | निनिजतुः | निनिजुः | प्र.पु. |
| निनेजिथ | निनिजथुः | निनिज | म.पु. |
| निनेज | निनिजिव | निनिजिम | उ.पु. |

²¹ [03.0012] णिजिर् शौचपोषणयोः, जुहोत्यादिः उभयपदी सकर्मकः अनिट् णिजादिः

| लिट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-----------|------------|---------|
| निनिजे | निनिजाते | निनिजिरे | प्र.पु. |
| निनिजिषे | निनिजाथे | निनिजिध्वे | म.पु. |
| निनिजे | निनिजिवहे | निनिजिमहे | उ.पु. |

| लुट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|------------|---------|
| नेक्ता | नेक्तारौ | नेक्तारः | प्र.पु. |
| नेक्तासि | नेक्तास्थः | नेक्तास्थ | म.पु. |
| नेक्तास्मि | नेक्तास्वः | नेक्तास्मः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|-------------|---------|
| नेक्ता | नेक्तारौ | नेक्तारः | प्र.पु. |
| नेक्तासे | नेक्तासाथे | नेक्ताध्वे | म.पु. |
| नेक्ताहे | नेक्तास्वहे | नेक्तास्महे | उ.पु. |

| लृट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|------------|-------------|---------|
| नेक्ष्यति | नेक्ष्यतः | नेक्ष्यन्ति | प्र.पु. |
| नेक्ष्यसि | नेक्ष्यथः | नेक्ष्यथ | म.पु. |
| नेक्ष्यामि | नेक्ष्यावः | नेक्ष्यामः | उ.पु. |

| लृट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|------------|------------|---------|
| नेक्षयते | नेक्षयेते | नेक्षयन्ते | प्र.पु. |
| नेक्षयसे | नेक्षयेथे | नेक्षयध्वे | म.पु. |
| नेक्षये | नेक्षयावहे | नेक्षयामहे | उ.पु. |

| लोट् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|------------|---------|---------|
| नेनिक्तात् , नेनेक्तु | नेनिक्ताम् | नेनिजतु | प्र.पु. |
| नेनिक्तात् , नेनिग्धि | नेनिक्तम् | नेनिक्त | म.पु. |
| नेनिजानि | नेनिजाव | नेनिजाम | उ.पु. |

| लोट् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|------------|-------------|---------|
| नेनिक्ताम् | नेनिजाताम् | नेनिजताम् | प्र.पु. |
| नेनिक्ष्व | नेनिजाथाम् | नेनिग्ध्वम् | म.पु. |
| नेनिजै | नेनिजावहै | नेनिजामहै | उ.पु. |

| लङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|----------|---------|
| अनेनेक् , अनेनेग् | अनेनिक्ताम् | अनेनिजुः | प्र.पु. |
| अनेनेक् , अनेनेग् | अनेनिक्तम् | अनेनिक्त | म.पु. |
| अनेनिजम् | अनेनिज्व | अनेनिज्म | उ.पु. |

| लङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------|-------------|--------------|---------|
| अनेनिक्त | अनेनिजाताम् | अनेनिजत | प्र.पु. |
| अनेनिक्थाः | अनेनिजाथाम् | अनेनिग्ध्वम् | म.पु. |
| अनेनिजि | अनेनिज्वहि | अनेनिज्महि | उ.पु. |

| विधिलिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|--------------|-----------|---------|
| नेनिज्यात् | नेनिज्याताम् | नेनिज्युः | प्र.पु. |
| नेनिज्याः | नेनिज्यातम् | नेनिज्यात | म.पु. |
| नेनिज्याम् | नेनिज्याव | नेनिज्याम | उ.पु. |

| विधिलिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-----------------------|--------------|-------------|---------|
| नेनिजीत | नेनिजीयाताम् | नेनिजीरन् | प्र.पु. |
| नेनिजीथाः | नेनिजीयाथाम् | नेनिजीध्वम् | म.पु. |
| नेनिजीय | नेनिजीवहि | नेनिजीमहि | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|------------------------|--------------|-----------|---------|
| निज्यात् | निज्यास्ताम् | निज्यासुः | प्र.पु. |
| निज्याः | निज्यास्तम् | निज्यास्त | म.पु. |
| निज्यासम् | निज्यास्व | निज्यास्म | उ.पु. |

| आशीर्लिङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|------------------------|----------------|-------------|---------|
| निक्षीष्ट | निक्षीयास्ताम् | निक्षीरन् | प्र.पु. |
| निक्षीष्ठाः | निक्षीयास्थाम् | निक्षीध्वम् | म.पु. |
| निक्षीय | निक्षीवहि | निक्षीमहि | उ.पु. |

| लुङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-----------------------|-------------------------|----------------------|--------------|
| अनिजत् , अनैक्षीत् | अनैक्ताम् , अनिजताम् | अनिजन् , अनैक्षुः | प्र.पु. . |
| अनैक्षीः , अनिजः | अनैक्तम् , अनिजतम् | अनैक्त , अनिजत | म.पु. . |
| अनैक्षम् , अनिजम् | अनैक्ष्व , अनिजाव | अनैक्ष्म , अनिजाम | उ.पु. . |

| लुङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|-------------|------------|---------|
| अनिक्त | अनिक्षाताम् | अनिक्षत | प्र.पु. |
| अनिक्थाः | अनिक्षाथाम् | अनिग्ध्वम् | म.पु. |
| अनिक्षि | अनिक्ष्वहि | अनिक्ष्महि | उ.पु. |

| लृङ् (परस्मैपदम्) | | | |
|-------------------|--------------|------------|---------|
| अनेक्ष्यत् | अनेक्ष्यताम् | अनेक्ष्यन् | प्र.पु. |
| अनेक्ष्यः | अनेक्ष्यतम् | अनेक्ष्यत | म.पु. |
| अनेक्ष्यम् | अनेक्ष्याव | अनेक्ष्याम | उ.पु. |

| लृङ् (आत्मनेपदम्) | | | |
|-------------------|---------------|---------------|---------|
| अनेक्ष्यत | अनेक्ष्येताम् | अनेक्ष्यन्त | प्र.पु. |
| अनेक्ष्यथाः | अनेक्ष्येथाम् | अनेक्ष्यध्वम् | म.पु. |
| अनेक्ष्ये | अनेक्ष्यावहि | अनेक्ष्यामहि | उ.पु. |

सन्दर्भग्रन्थसूची

Krishnamacharya, T. (1924). *Brihad Dhatu Rupavali* . Trivendram:
Bhaskar Preess.

Mishra, P. S. (2017). *Laghu Siddhanta Kaumudi (sanskrit - hindi tika)*.
Banaras: Bharatiya Vidya Prakashan.

Misra, H. (1999). *Brihad Dhatu Kusumakara*. Delhi: Chaukhmba
Sanskrit Pratishthan.

Sharma, R. (2002). *The aṣṭādhyāyī of pāṇini vol.01 & 2*. New Delhi:
Munshilal Manoharlal Publishers PVT.LTD. post box 5715.

मिश्र, ड. (२०१०). *अष्टाध्यायीसूत्रपाठ*. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास.

राधारमणपाण्डेय. (२००५). *अर्थप्रकाशिका-सिद्धान्तकौमुदी*. दिल्ली: मोतीलाल
बनारसीदास, .



eBook Publication Pvt. Ltd.

Free Download, Borrow, and Streaming:

eBook Publication Pvt. Ltd.

प्रकाशनानि

पाणिनीयं लिङ्गानुशासनम्

शान्तनवाचार्यप्रणीतः फिटसूत्रपाठः

तिङन्तरूपावलिः, प्रथमः भागः (भ्वादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, द्वितीयः भागः (अदादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, तृतीयः भागः (जुहोत्यादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, चतुर्थः भागः (दिवादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, पञ्चमः भागः (स्वादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, षष्ठः भागः (तुदादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, सप्तमः भागः (रुधादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, अष्टमः भागः (तनादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, नवमः भागः (क्र्यादिगणः)

तिङन्तरूपावलिः, दशमः भागः (चुरादिगणः)

Email: publicationebook@gmail.com

Website: https://archive.org/details/@ebook_publication